vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- ith;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"k Z % 13 vad % 15 y[kuÅ x:okj 21 tqykbZ 2022 l 27 tqykbZ 2022 rd i"B&8 eY; % ,d

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अकादमिक संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर जोर दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अकादमिक संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि ये संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने के केंद्र बनकर न रह जाएं बल्कि समाज के प्रति अपनी जवाबदेही की पूर्ति भी करें। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि शिक्षकों की विद्यालय में उपस्थिति अनिवार्य रूप से हो और 'प्रॉक्सी टीचर' (तैनात शिक्षक के स्थान पर पढ़ा रहा कोई और व्यक्ति) के मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्कूली शिक्षा में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया और कहा कि निजी क्षेत्र के अनेक शैक्षणिक संस्थान सराहनीय कार्य कर रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० समाज को स्वाबलम्बन और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में मददगार साबित होगी। इस नीति के प्रभावी होने से विद्यार्थी किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उनका व्यावहारिक और तकनीकी ज्ञान भी समृद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में वर्तमान सत्र से स्नातक स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी कर दिया गया है और आगामी सत्र से परास्नातक स्तर पर भी इसे लागू किया जाए। उन्होंने

प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों की राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) मान्यता की ताजा स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी पात्र संस्थानों की तत्काल 'नैक ग्रेडिंग' कराये जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी २७,६०७ माध्यमिक विद्यालयों के लिए अलग–अलग वेब पोर्टल तैयार कराने के निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर कार्यरत शिक्षकों के बायोडाटा से लेकर छात्रों की संख्या, विषयों की उपलब्धता, परीक्षा परिणाम और इतिहास समेत विद्यालय से जुड़ी सारी जानकारी उपलब्ध हो। योगी आदित्यनाथ ने माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए पाठ्यक्रम, मूल्यांकन एवं परीक्षा सुधार, शिक्षकों की क्षमता वृद्धि एवं शिक्षकों की नियुक्ति, कौशल उन्नयन की दिशा में और सुधार के लिए विशेष प्रयास की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ७७.७ प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, लिहाजा उन्नत भारत अभियान योजना के तहत अधिक से अधिक शिक्षण संस्थानों को ग्रामीण इलाकों से जोड़ना चाहिए तथा ग्राम्य विकास से संबंधित पाठ्यक्रमों के संचालन पर विशेष बल देना चाहिए। उन्होंने हर विकास खंड में पांच–छह विद्यालयों के लक्ष्य के साथ अगले चार वर्षों में ५,००० 'अभ्युदय कम्पोजिट' विद्यालयों की स्थापना कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्य तेजी से किया जाए।

भारत के कोविड टीकाकरण अभियान की गति और पैमाना वृहद है : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत के कोविड–१९ रोधी टीकाकरण अभियान की गति और पैमाना वृहद है।साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने विज्ञान के प्रति उल्लेखनीय विश्वास जताया और समयबद्ध तरीके से टीकों की खुराक ली। मोदी ने यह टिप्पणी माइक्रोस फ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स की ओर से किए गए एक ट्वीट के जवाब में की। गेट्स ने अपने ट्वीट के माध्यम से टीकों की २०० करोड़ खुराक दिए जाने की भारत की उपलब्धि पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी थी। गेट्स ने कहा, ''टीकों की २०० करोड़खुराक देकर एक अन्य मील का पत्थर हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाइयां। कोविड–१९ के प्रभाव को समाप्त करने के लिए भारतीय टीका निर्माताओं और भारत सरकार के साथ जारी साझेदारी के लिए हम आभारी हैं।'' इसके जवाब में मोदी ने कहा कि इस महामारी के खिलाफ भारत के टीकाकरण अभियान की गति औरउसका पैमाना वृहद है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों, चिकित्सकों और नर्सों के अलावा कई लोगों के सामूहिक प्रयास से ही यह सफलता हासिल की जा सकी। उन्होंने कहा, ''साथ ही साथ भारत के लोगों ने विज्ञान के प्रति उल्लेखनीय विश्वास प्रदर्शित किया और समयबद्ध तरीके से उन्होंने टीकों की खुराक ली।

दलित मंत्री की उपेक्षा दुर्भाग्यपूर्ण : मायावती

लखनऊ। यूपी में जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक के इस्तीफे के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार पर बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने हमला किया है। मायावती ने कहा कि यूपी मंत्रिमंडल में दलित मंत्री की उपेक्षा अति निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। मायावती से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मंत्री के इस्तीफे को लेकर योगी सरकार पर हमला करते हुए यह भी पूछ लिया कि अगली बारी किसकी है।जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक का अमित शाह को संबोधित एक पत्र वायरल

हो रहा है, जिसमें उन्होंने खुद को दलित होने के कारण नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। मंत्री के इसी आरोप पर बसपा चीफ मायावती ने योगी सरकार पर निशाना साधा है।मायावती ने ट्वीट कर लिखा कि उत्तर प्रदेश भाजपा मंत्रिमंडल के भीतर भी दलित मंत्री की उपेक्षा अति निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी खबरें राष्ट्रीय चर्चाओं में हैं। सरकार अपनी जातिवादी मानसिकता व दलितों के प्रति उपेक्षा, तिरस्कार, शोषण व अन्याय को त्याग कर उनकी सुरक्षा व सम्मान का ध्यान रखने का दायित्व निभाए।इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जहां मंत्री होने का सम्मान तो नहीं परंतु दलित होने का अपमान मिले ऐसी भेदभावपूर्ण भाजपा सरकार से त्यागपत्र देना ही अपने समाज का मान रखने के लिए यथोचित उपाय है। साथ ही लिखा कि कभी–कभी बुलडोजर उल्टा भी चलता है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कुशासन की क्र न ल जी समझिए। पहले लोक निर्माण विभाग के मंत्रालय में विद्रोह। फिर स्वास्थ्य मंत्रालय में विद्रोह। अब जल शक्ति मंत्रालय में विद्रोह। जनता पूछ रही है, उप्र की भाजपा सरकार ईमानदारी से बताए अब अगली बारी किसकी है?बता दें कि बुधवार को जल शक्ति राज्य मंत्री दिनेश खटीक की अमित शाह को लिखी एक चिट्ठी वायरल हो रही है। इस पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि ट्रांसफर में भ्रष्टाचार हुआ है। मैंने ट्रांसफर की सूची मांगी जिसकी अभी तक कोई सूचना नहीं दी गई। कई दिनों बाद विभागाध्यक्ष को फोन कर सूचना देने के लिए कहा गया। वह भी उपलब्ध नहीं कराया गया। प्रमुख सचिव सिंचाई अनिल गर्ग को इस संदर्भ में फोन करके सूचना देना चाहा तो उन्होंने बिना मेरी बात सुने फोन कट कर दिया और मेरा अपमान किया।

लोक निर्माण विभाग में बड़ी कार्रवाई से नाराज हैं जितिन प्रसाद? चुप्पी तोड़ते हुए कही यह बड़ी बात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने लोक निर्माण विभाग के पांच अधिकारियों को अनियमितताओं को लेकर निलंबित कर दिया है। यह निलंबन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर हुआ है। पिछले दिनों पीडब्ल्यूडी विभाग में तबादलों को लेकर विवाद खड़ा हो गया था जिसके बाद से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद एक्शन में आए। बताया जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ के एक्शन से विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद नाराज हैं। दावा यह भी किया जा रहा है कि जितिन प्रसाद दिल्ली पहुंच चुके हैं और आज गृह मंत्री अमित शाह से उनकी मुलाकात होनी है। आज जितिन प्रसाद से उनकी नाराजगी को लेकर सवाल भी पूछा गया। उन्होंने साफ तौर पर इससे इनकार कर दिया। जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो ट लरेंस की नीति है। अगर विभाग में कोई अनियमितताएं हैं तो सरकार ठोस कदम उठाएगी। एक निष्पक्ष जांच होगी और जहां गड़बड़ी है, वहां कार्रवाई होगी और बदलाव भी होगा... नाराजगी की कोई बात नही है। जितिन प्रसाद ने आगे कहा कि जहां तक घ्तबादलों की बात है तो अव्यवस्था होने पर बदलाव किया जाएगा। जीरो ट लरेंस की नीति के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नाराजगी का सवाल ही नहीं है। लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए यूपी के सीएम के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा जहां तक घ्वर्केंद्रीय नेताओं से मिलने की बात है, हमें जब भी समय मिलता है, उनसे मिल सकते हैं। लेकिन अभी तक उनसे मिलने का मेरा कोई विचार नहीं है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में ट्रांसफर का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। पहले स्वास्थ्य विभाग में यह मामला गर्म हुआ था। अब पीडब्ल्यूडी विभाग में यह मामला आया हुआ है। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ लगातार स्थिति की म निटरिंग कर रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ और अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर विभाग के प्रधान अभियंता मनोज कुमार गुप्ता सहित पांच अधिकारियों को अनियमितता पर निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों के खिलाफ यह कार्रवाई तब की गई जब स्थानांतरण नीति का पालन न करने और अनियमितताओं को लेकर विवाद हुआ था, जिसके कारण १८ जुलाई को विभागीय मंत्री जितिन प्रसाद के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) अनिल कुमार पांडे को भी हटा दिया गया था। बयान में कहा गया है कि प्रधान अभियंता (विकास) और विभागीय प्रमुख मनोज कुमार गुप्ता, प्रधान अभियंता (परियोजना एवं नियोजन) राकेश कुमार सक्सेना और सीनियर स्टाफ अधिकारी शैलेंद्र कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

सम्पादकीय

आजादी के बाद यह सचमुच पहली बार हुआ

आजादी के बाद यह सचमुच पहली बार हुआ है, जब खाद्यान्न पर सरकार ने टैक्स लगा दिया है। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपना ये फैसला तो हाल में हुई जीएसटी काउंसिल की बैठक में ही बता दिया था, लेकिन तब कुछ हलकों में यह उम्मीद थी कि केंद्र इस मामले पर पुनर्विचार करेगा। खास कर अभी महंगाई का जो आलम है, उसे देखते हुए सरकार से यह न्यूनतम बुद्धिमानी दिखाने की अपेक्षा जरूर थी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। तो इन नए टैक्स से खुदरा महंगाई और बढ़ेगी, इसमें कोई शक नहीं है। गौर कीजिए। सोमवार से चावल, आटा, जौ, जई आदि जैसे अनाज जीएसटी के दायरे में आ गए। इसी तरह डिब्बाबंद दही, लस्सी, बटर मिल्क और पनीर पर भी पांच प्रतिशत जीएसटी लग गया है। बात यहीं तक नहीं है। अब बैंक से चेक बुक लेने पर बैंक जो फीस लेगा, उस पर १८ प्रतिशत जीएसटी देना होगा। उधर अस्पताल के कमरों पर (५००० से अधिक फीस वाले) भी इतना ही टैक्स लगा दिया गया है। तो रोज खाना खाने से लेकर बैंकिंग और बीमार पड़ना तक महंगा हो गया है। यह खबर पढ़ते हुए सहज ही फ्रांस की क्रांति कथा याद आती है। १७८९ में हुई इस क्रांति की वजहों में एक बात यह भी बताई जाती है कि उस समय वहां जो जितना गरीब था, उस पर उतना ज्यादा टैक्स लगता था। क्या आज भारत में वही हालत नहीं बनाई जा रही है? यह कहने का ये कतई मतलब नहीं है कि भारत में फ्रांस की क्रांति जैसे हालात बन रहे हैं। उसके विपरीत अभी तक सत्ताधारी दल की लोकप्रियता में यहां गिरावट के कोई संकेत नहीं हैं। लेकिन नए टैक्स ने मौजूदा शासन तंत्र के वास्तविक चरित्र को एक बार फिर जरूर उजागर किया है। जिस सरकार ने तीन साल पहले क रपोरेट टैक्स में १४५ लाख करोड़ की सालाना छूट दे दी थी और जिसने अभी तक पूंजीगत लाभ पर टैक्स बढ़ाने को नहीं सोचा है, वह लगातार रोजमर्रा की जरूरी चीजों को महंगा बनाती जा रही है। इसे समाज में विषमता और दुर्दशा बढ़ाने की सुविचारित कोशिश के रूप में ही देखा जाएगा।

मुफ्त की रेवड़ियां बांटने वाली राज्य सरकारें अपने प्रदेशों की लंका लगाने जा रही हैं

नीरज कुमार दुबे

श्रीलंका आज बर्बादी की कगार पर पहुँचा है तो इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि उसने खर्चों पर लगाम नहीं लगाई और जनता को मुफ्त की रेवड़ियां बांटना बंद नहीं किया। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से श्रीलंका की तत्कालीन सरकार लोकप्रिय तो हो गयी लेकिन जब यह रेवड़ियां खत्म हो गयीं और बांटने के लिए जीरा भी नहीं बचा तो जनता ने उसी सरकार का बैंड बजा दिया जिसके जिंदाबाद के नारे वह कुछ समय पहले लगाते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल ही में कुछ राज्य सरकारों द्वारा मुफ्त की रेवड़ियां बांटे जाने को देश के लिए नुकसानदेह बताया था लेकिन अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी का विरोध कर दिया। यह जो नेता समझते हैं कि तुष्टिकरण की राजनीति के जरिये और मुफ्त की रेवड़ियों के जरिये वह सत्ता में बने रहेंगे, दरअसल वह अपने–अपने राज्य को श्रीलंका जैसी स्थिति की ओर धकेल रहे हैं। यही नहीं, श्रीलंका के हालात पर जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई तो उसमें केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सभी राज्यों की वित्तीय स्थिति के बारे में भी जानकारी दी। यह देखकर वाईएसआर कांग्रेस, टीआरएस और द्रमुक जैसे क्षेत्रीय दल भड़क गये। इन क्षेत्रीय दलों ने कहा कि यह बैठक श्रीलंका संकट पर चर्चा के लिये थी न कि राज्यों की वित्तीय स्थिति के बारे में जानकारी देने के लिये। जबकि इस बैठक में सिर्फ विपक्ष शासित राज्यों की नहीं बल्कि देश के सभी राज्यों की आर्थिक स्थिति की जानकारी दी गयी। यह जानकारी देने का उद्देश्य उस अफवाह को भी खारिज करना था जिसमें कहा जाता है कि श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में आ सकती है। बैठक के दौरान वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने राज्यों के बजटीय और बजट से इतर कर्ज के बारे में जानकारी दी और उन पर पड़ रहे वित्तीय दबाव के बारे में बताया। बैठक में बताया गया कि राज्यों की आय क्या है, उनके खर्चे क्या हैं, उन पर कर्ज कितना है, आगे कितना और कर्ज लेने की जरूरत पड़ सकती है, इस कर्ज की अदायगी में ब्याज कितना जा रहा है, इस ब्याज और कर्ज से राज्य की आर्थिक सेहत पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन कुछ नेता यह सब सुनना नहीं चाहते थे क्योंकि उनको लगता है कि यदि उन्होंने अभी अपने राज्य की आर्थिक सेहत सुधारने के कदम उठाये तो जनता की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। लेकिन यह नेता और दल यह भूल रहे हैं कि जब वह अपने राज्य को कंगाल

बना देंगे तब भी जनता की नाराजगी उन्हें झेलनी ही पड़ेगी इससे अच्छा है कि समय पर चेता जाये और मुफ्त की रेवड़ियां बांटना बंद किया जाये या फिर जरूरतमंद को ही सरकारी खजाने से मदद दी जाये। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इस बैठक के दौरान कहा कि कुछ राज्यों ने बकाया कर्ज को लेकर बड़ी गारंटी दी हुई है। अगर इस गारंटी को भुना लिया गया तो जोखिम पैदा हो सकते हैं। आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि सभी राज्यों की राजस्व प्राप्ति के अनुपात में औसत प्रतिबद्ध व्यय ५६ प्रतिशत है, जबकि पंजाब, केरल और उत्तराखंड में यह ७५ प्रतिशत से अधिक है। इस व्यय में कर्ज अदायगी, वेतन भुगतान, पेंशन और अन्य पारिश्रमिक शामिल हैं। यही नहीं वित्त मंत्रालय ने बताया है कि कुछ राज्यों के पास नया करने की कोई गुंजाइश ही नहीं है। इस बैठक के दौरान महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में बिजली मद में बड़ी राशि बकाया के मामले को भी रखा गया। केंद्र सरकार का उद्देश्य था कि राज्यों की आर्थिक सेहत की जानकारी दिये जाने के साथ ही राजकोषीय सूझबूझ की कमी तथा मुफ्त में दी जाने वाली चीजों के दुष्परिणाम को रेखांकित किया जाये। बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संवाददाताओं से कहा भी कि श्रीलंका से मिली सीख काफी महत्वपूर्ण है। राजकोषीय समझदारी के साथ जवाबदेह राजकाज होना चाहिए और मुफ्त में चीजें देने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। जयशंकर ने बैठक के दौरान सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं को आर्थिक उथल–पुथल के भयावह दौर से गुजर रहे श्रीलंका की स्थिति और भारत द्वारा प्रदान की जा रही सहायता के बारे में तो जानकारी दी ही साथ ही पड़ोसी देश के घटनाक्रम से सबक सीखने को भी कहा। उन्होंने कहा कि वित्तीय विवेक, जिम्मेदार शासन और मुफ्त की संसेंति से दूर रहने का सबक हमें पड़ोसी देश से लेना चाहिए। बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने श्रीलंका जैसे हालात भारत में पैदा होने की आशंका को हालांकि खारिज कर दिया। जयशंकर ने कहा, ''हम नहीं समझते की श्रीलंका जैसी स्थिति भारत में उत्पन्न हो सकती है। लेकिन हम वित्तीय विवेक के महत्व को रेखांकित करना चाहते हैं। इसलिए हम यहां एक या दो राज्य की बात नहीं कर रहे हैं बल्कि लगभग सभी राज्यों की आर्थिक सेहत के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई राजनीतिक मंशा नहीं है।श्श जयशंकर ने कहा कि श्रीलंका को लेकर कई गलत तुलनाएं हो रही हैं और कुछ लोग पूछ रहे हैं कि क्या ऐसी स्थिति भारत में आ सकती है। उन्होंने इसे गलत तुलना बताया। उन्होंने कहा, ''ये आंकड़े भारत में तुलनात्मक आधार पर है ताकि प्रत्येक राजनीतिक पार्टी और नेता को सही और स्पष्ट संदेश मिल जाए। जयशंकर ने बैठक का सामपन इस बात पर जोर देते हुए किया कि श्रीलंका के संकट से सबक सीखने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर, संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी, मत्स्यपालन मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला सहित सरकार की ओर से आठ मंत्रियों ने हिस्सा लिया। जहां तक श्रीलंका को भारत की ओर से की गयी मदद की बात है तो आपको बता दें कि जनवरी से अब तक भारत ने श्रीलंका को ३.८ अरब डॉलर की मदद की है। किसी और देश ने इस स्तर पर श्रीलंका की मदद नहीं है जितनी भारत ने की है। यही नहीं भारत श्रीलंका को आईएमएफ सहित अन्य संस्थानों से भी सहायता दिलाने में मदद कर रहा है।

हिन्दू महासभा ने पुलिस आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, समर्थकों को रिहा करने की मांग

लखनऊ। लुलु मॉल में धार्मिक उन्माद फैलाने के मामले में पुलिस अबतक २६ लोगों की गिरफ्तारी कर चुकी है। अब मामले में गिरफ्तार किये गये हिन्दूवादियों की रिहाई की मांग उठने लगी है। बुधवार को अखिल भारत हिन्दू महासभा का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष शिशिर चतुर्वेदी की अध्यक्षता में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय पहुंचा। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर को ज्ञापन सौंपते हुए महासभा ने लुलु म ल प्रकरण में गिरफ्तार किये गये हिन्दूवादियों की जल्द से जल्द रिहाई की मांग की। शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि लुलु म ल को लेकर चल रहे विवाद को हिन्दू महासभा समापन करने का प्रयास कर रही है। पर मामले में गिरफ्तार गए हिन्दूवादियों को रिहा करने में प्रशासन के अधिकारी ढिलाई बरत रहे हैं। महासभा की ओर से पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए गिरफ्तार किये गये हिन्दूवादियों को जल्द से जल्द रिहा करने की मांग की गई है।

सहायक अभियंता की क्रेटा कार घर के सामने से हुई चोरी

लखनऊ। आशियाना कोतवाली इलाके में बेखौफ चोरो ने सोमवार तड़के थाना क्षेत्र में रह रहे एक सहायक अभियंता की घर के बाहर खड़ी चार पहिया गाड़ी चोरी कर ले गए। चोरो की करतूत पड़ोस में लगे सीसी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित ने स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर सीसी टीवी फुटेज आधार पर शातिरों की तलाश में जुटी है। आशियाना कोतवाली क्षेत्र के मकान संख्या डी१/२४१ सेक्टर एच में पीडब्लूडी विभाग जनपद लखीमपुर में तैनात सहायक अभियंता धर्मेन्द्र कुमार पुत्र बहादुर राम अपने परिवार संग रहते है। पीड़ित के मुताबिक सोमवार तड़के लगभग ४ : ०० बजे उनकी हुंडई क्रेटा कार जो कि घर के बाहर खड़ी थी चोरी हो गई। वहीं चोरो पड़ोस के घर में लगे सीसी कैमरे में कैद हो गई है जिसमे चार युवक गाड़ी चोरी कर ले जाते दिखाई पड़े है। पीड़ित ने स्थानीय थाना आशियाना पहुंचकर अज्ञात चोरो के खिलाफ लिखित शिकायत की है। वहीं इंस्पेक्टर आशियाना धर्मेंद्र यादव ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर सीसी टीवी फुटेज आधार पर चोरो का तलाश किया जा रहा है।

रईशजादों ने सड़कों पर किया हाईवोल्टेज ड्रामा

लखनऊ। सोमवार की देर रात इंदिरानगर थानाक्षेत्र के अरविंदोनगर में एक हाईवोल्टेज ड्रामा सड़क पर देखने को मिला। जहा एक श पिंग म ल के समाने के सामने नशे में धुत पुरूष मित्र के साथ दो युवतियां मारपीट करने लगे। इनका वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने लगा। वायरल वीडियो में साफतौर देखने को मिला कि शराब के नशे युवतियां अपने पुरूष मित्र की लात–घूसों से पिटाई कर रही हैं। वह गाली–गलौज कर उन पर छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कराने की खुलेआम धमकी भी दे रही है। इस सम्बन्ध में इंदिरानगर थाना प्रभारी रामफल प्रजापति का कहना है कि मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने तफ्तीश शुरु कर दी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इसके साथ ही सड़क पर मारपीट करने वाले लोगों की तलाश की जा रही है।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने दी अफसरों को चेतावनी

लखनऊ। योगी सरकार में जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक के इस्तीफे को लेकर वायरल पत्र और इस मामले पर सपा मुखिया अखिलेश यादव की टिप्पणी को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अधि ाकारियों द्वारा राज्यमंत्री की बात न मानने का मामला सामने आने पर अपने शब्दों में अधिकारियों को चेताया है।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बिना किसी का नाम लिए ट्वीट किया– श्यूपी के हर अधि ाकारी और कर्मचारी को प्रोटोकाल का पालन करना होगा। मंत्रीगण के साथ जनप्रतिनिधियों की भी बातें सुनकर समाधान करें। कार्यकर्ताओं को सम्मान दें, जनता की ईमानदारी से सेवा करें, वरना कार्रवाई होगी।श वहीं, सपा अध्यक्ष को सलाह दी कि श्अखिलेश यादव साजिश की जगह सपा को समाप्त होने से बचाने पर ध्यान दें।श्जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं, वह तिल को ताड़ बना रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यमंत्री दिनेश खटीक से रोज बातचीत होती रहती है, वह नाराज नहीं हैं। उन्होंने खुद इस बात को स्वीकार किया है और अगर कोई बात होगी भी तो बैठकर सुलझा लिया जाएगा।स्वतंत्रदेव ने कहा कि दिनेश खटीक का पार्टी और सरकार में पूरा सम्मान है। उनकी हर बात को गंभीरता से लिया जाता है। इसके बावजूद अगर कहीं कोई बात है तो उस पर चर्चा कर ली जाएगी और उसका

समाधान निकाल लिया जाएगा। सपा मुखिया के पास कोई मुद्दा नहीं है। अपने सौ दिनों के कार्यकाल में सरकार ने सफलता पूर्वक तमाम उपलब्धियां दर्ज की हैं। इससे हताश होकर सपा मुखिया मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। पार्टी और सरकार में समाज के सभी वर्गों को सम्मान दिया जा रहा है और आगे भी दिया जाता रहेगा।बता दें कि योगी सरकार में जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक के इस्तीफा देने की खबर ने बुध ावार को राजनीतिक हलकों में सनसनी फैला दी। उन्होंने यह पत्र केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भेजा था। पत्र में लिखा है कि पीएम मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के परिश्रम और कुशल नेतृत्व में दलितों–पिछड़ों को साथ लेकर चलने के कारण भाजपा सरकार बनी है। इसी क्रम में दलित समाज से जुड़ा होने के कारण मुझे ईमानदार व स्वच्छ छवि वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जलशक्ति विभाग में राज्यमंत्री नियुक्त किया गया। दिनेश खटीक ने आरोप लगाया कि विभाग में मेरे आदेश पर कोई कार्रवाई नहीं होती और न ही मुझे किसी बैठक की सूचना दी जाती है। विभागीय अधिकारी सिर्फ गाड़ी उपलब्ध करा देना ही राज्यमंत्री का अधिकार समझते हैं। विभाग में तबादलों में बहुत बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है। दलित जाति का मंत्री होने के कारण विभाग में मेरे साथ बहुत ज्यादा भेदभाव किया जा रहा है।

नाबालिग लड़की को भगा ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग को बहला– फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को आज गिरफ्तार किया है,जानकारी के मुताबिक मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के एक ग व में जनपद उन्नाव के थाना पुरवा के ग्राम लखमदे मऊ निवासी आरोपी अमित कुमार पुत्र राजू कश्यप ने अपनी बुआ के लड़के करन पुत्र गंगा विशुन निवासी जवाहर खेड़ा थाना मौरावां की सहायता से मोहनलालगंज थाने के एक गांव की १७ वर्ष की नाबालिग लड़की को एक दिन पहले भला फुसलाकर कहीं लेकर चला गया था , जब नाबालिग लड़की की जाने की सूचना लड़की के चाचा को लगी तो वह स्थानीय थाने पर गए जहां पर उन्होंने रिपोर्ट लिखायी ,रिपोर्ट लिखे जाने के २४ घण्टे के अंदर ही मुखबिर की सूचना पर मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपी अमित को

जबरेला पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया और पीड़िता को सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया आरोपी अमित को नियमानुसार मुकदमा दर्ज करके जेल भेजा जा चुका है ।

तांत्रिक की हत्या में पुलिस ने किया खुलासा

लखनऊ। नगराम में तांत्रिक की हत्या के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है पुलिस ने तंत्र विद्या करने वाले पुजारी राजेश कुमार उर्फ राजेश बाबा की हत्या के आरोप में महुली गांव के निवासी रामसेवक को गिरफ्तार किया है नगराम पुलिस का दावा है कि अवैध संबंधों के चलते तांत्रिक को मौत के घाट उतारा गया लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के नगराम थाना क्षेत्र के समेसी इलाके में १७ जुलाई २०२२ को नटबीर बाबा मंदिर से कुछ दूरी पर बनी झुग्गी झोपड़ी के बाहर चारपाई पर मंदिर के पुजारी राजेश बाबा का नग्न अवस्था में खून से लथपथ शव बरामद हुआ था देर रात सोते समय त्रिशूल से नटबीर बाबा मंदिर के पुजारी राजेश बाबा की हत्या को अंजाम दिया गया था।नगराम पुलिस ने समेसी इलाके के महुली गांव के निवासी रामसेवक को राजेश बाबा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक हत्या से १ महीने पहले १५ दिनों तक राजेश बाबा के साथ झुग्गी झोपड़ी में रहने वाली महिला कोई और नहीं बल्कि हत्यारोपी रामसेवक की साली थी जिसे गांव वालों के विरोध ा के कारण रामसेवक का साथ छोड़कर अपने गांव वापस जाना पड़ा था। मृतक राजेश बाबा महिला से मिलने के लिए रायबरेली जिले के बछरावां थाना क्षेत्र के तिलेंदा गांव जाता रहता था। बीते शनिवार को भी मृतक राजेश महिला से मिलने रायबरेली गया था उसी रात राजेश की हत्या हो गई।जानकारी के मुताबिक हत्यारोपी रामसेवक के भी अपनी ही साली के साथ अवैध ा संबंध थे बीते जून महीने में रामसेवक की साली अपने गांव से तांत्रिक के घर महुली गांव आई थी महुली गांव के पास में ही नटबीर बाबा के मंदिर पर भंडारा था जहां रामसेवक अपने परिवार के साथ शामिल हुआ था लेकिन भंडारे में ही रामसेवक की साली का संपर्क मृतक राजेश बाबा से हो गया। जिसके बाद हत्यारोपी रामसेवक की साली ने बाबा के साथ रहने का फैसला किया और बाबा के साथ ही रहने लगी इसकी भनक जब रामसेवक को लगी तो उसने गांव वालों के साथ मिलकर बाबा का विरोध जताया विरोध के कारण लगभग १५ दिन बाद रामसेवक की साली अपने गांव वापस लौट गई लेकिन राजेश बाबा ने पीछा नहीं छोड़ा और महिला के गांव उससे मिलने जाने लगा आरोपी रामसेवक को जब इसकी भनक लगी तो उसने राजेश बाबा की हत्या का खाका तैयार कर लिया शनिवार को जब राजेश महिला से मिलकर वापस लौटा तो रामसेवक ने देर रात त्रिशूल घोंप कर हत्या कर दी पुजारी राजेश बाबा की हत्या के बाद आरोपी रामसेवक रविवार की सुबह अपनी साली के घर रायबरेली जिले के बछरावां थाना क्षेत्र के तिलेंदा गांव पहुंचा। साली के घर में दस्तक देते ही आरोपी ने बोला – ष्मैंने तुम्हारे बाबा की हत्या कर दी ष और इतना कह कर अपने घर लौट आया मृतक राजेश बाबा के साथ १५ दिनों तक रहने वाली महिला की तलाश करते हुए पुलिस रायबरेली पहुंची महिला से पूछताछ के बाद मामले का खुलासा हुआ।महिला हत्यारोपी रामसेवक की चचेरी साली थी रामसेवक के अपनी ही चचेरी साली से कई महीनों से अवैध संबंध थे कुछ समय बाद महिला के हाव भाव में बदलाव आया तो लोगों ने बुरी आत्माओं का साया होने की आशंका जताई रामसेवक के गांव में ही बने नटबीर बाबा के मंदिर में मृतक राजेश तंत्र क्रियाएं करता था आरोपी रामसेवक अपनी साली को बाबा के पास लेकर पहुंचा कुछ दिनों बाद आरोपी की साली और राजेश बाबा एक दूसरे से प्यार करने लगे दोनो शादी करना चाहते थे जिसका रामसेवक ने विरोध किया और न मानने पर हत्या कर दी।

क्यूब रूट्स एवं टोलवे लिमिटेड द्वारा निःशुल्क कंप्यूटर केंद्र का हुआ उद्घाटन

लखनऊ। निगोहां क्यूब रूट्स और लखनऊ–रायबरेली टोलवे लिमिटेड निगोहां टोल प्लाजा के द्वारा विकास खण्ड मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत भद्दी सिर्ष में स्थित जूनियर हाईस्कूल में एक निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया है बुधवार को केंद्र का उद्घाटन एसपी ग्रामीण हृदेश कुमार एवं उप–आयुक्त आवास विकास लखनऊ डॉ शुभी सिंह द्वारा फीता काट कर किया गया कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र मे कंपनी द्वारा १० कंप्यूटर ११ कंप्यूटर चेयर और टेबल १० यू पी एस ब्ल्ट कैमरा इंटरनेट कनेक्शन एक ।ब फुल टाइम कंप्यूटर शिक्षक व्हाइट बोर्ड तथा अन्य सामग्री उपलब्ध कराई गयीं हैं क्यूब हाइवेज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री शिबाशीस साहू ने बताया कि इस विद्यालय में निःशुल्क कंप्यूटर सेंटर स्थापित होने से इस विद्यालय के छात्र–छात्राओ सहित इस गांव तथा आस पास के सभी गांव के छात्र–छात्राओ को निःशुल्क कंप्यूटर ट्रेनिंग का लाभ मिलेगा गांव के अन्य युवक तथा युवतियाँ भी निःशुल्क कंप्यूटर ट्रेनिंग का लाभ ले सकेंगी बता दें कि बीते ६ मई २०२३ को तत्कालीन उपजिला धिकारी मोहनलालगंज ड . शुभी सिंह के सुझाव पर क्यूब हाइवेज

के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शिबाशीस साहू सहित श्रीमती शुभी सिंह अनुरुद्ध सिंह परियोजना प्रमुख लखनऊ–रायबरेली टोलवे लिमिटेड तथा अन्य कर्मचारियों के साथ विद्यालय परिसर का निरिक्षण किया गया था जिसमें ग्राम प्रधान विद्यालय के प्रधानाचार्या शिक्षक गण स्थानीय सरकारी अधिकारी और गांव के लोगों के साथ इस विद्यालय को एक आदर्श विद्यालय बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गयी थी परियोजना प्रमुख अनुरुद्ध सिंह के द्वारा इस गांव के साथ – साथ आस पास गांव के विद्यार्थियों से अपील किया गया कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए इस केंद्र में रजिस्ट्रेशन करायें और इस ब्यवस्था का लाभ उठायें।इस कार्यक्रम में कंपनी के कर्मचारी के साथ–साथ मैनेजर (टेक) एन.एच. ए.आई सुजोत गुप्ता रेसिडेंस इंजीनियर एस.ए इंफ्रा वी.के.जैन ग्राम प्रधान भद्दी खेड़ा व विद्यालय के प्रधानाचार्या शिक्षक छात्र छत्राये मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में दबंगों ने दंपति को घर में घुसकर मारा–पीटा

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दंपति को घर में घुसकर दबंगों ने मारा पीटा जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई बेटे की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है सिसेंडी निवासी मुकेश ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की शाम मेरे पिता कल्लू व माता रामदुलारी खाना खाकर घर में लेटे हुए थे तभी गांव के ही बउआ रामचंद्र राम कुमार लवकुश मेरे घर पर आ गए और पिताजी को गाली देने लगे विरोध करने पर मेरे पिता व माता दोनों लोगों को बुरी तरह लाठी व कुल्हाड़ी से मारा–पीटा जिससे मेरे पिता का सर फट गया और और उनको गहरी चोटें आई हैं शोरगुल सुनकर गांव वालों को आता देख विपक्षी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कुलदीप दुबे ने बताया मुकेश की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सोनिया गांधी से बृहस्पतिवार को ईडी करेगी पूछताछ,शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय गुरुवार को पूछताछ करेगी। सोनिया गांधी से पूछताछ के खिलाफ कांग्रेस विरोध ा प्रदर्शन की तैयारी में है। जिस तरीके से राहुल गांधी से जब ईडी की पूछताछ हुई थी तो कांग्रेस ने अपना शक्ति प्रदर्शन किया था, ठीक वैसा ही गुरुवार देखने को मिल सकता है। आज इसी को लेकर कांग्रेस कार्यालय में एक बड़ी बैठक बुलाई गई थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इसके साथ ही कहा गया है कि गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय में वरिष्ठ नेता एकत्रित होंगे। इसमें पार्टी के सांसद भी शामिल रहेंगे। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बताया कि देश में घिनौनी राजनीति प्रवेश कर रही है। प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ एजेंसियों का ऐसा राजनीतिक दुरुपयोग पहले कभी किसी ने नहीं देखा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरे देश में प्रदर्शन करेगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता और सांसद दिल्ली में मौजूद हैं। जानकारी तो यह भी है कि भारतीय युवा कांग्रेस और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी दिल्ली पहुंच रहे हैं। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि मोदी–शाह की जोड़ी द्वारा हमारे शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ जिस प्रकार से राजनीतिक प्रतिशोध जारी है, उसके विरुद्ध कांग्रेस पार्टी अपनी नेता सोनिया गांधी के साथ

सामूहिक एकजुटता व्यक्त करते हुए कल देश भर में प्रदर्शन करेगी। सोनिया गांधी से पूछताछ के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय और ईडी कार्यालय के निकट सुरक्षा चाकचौबंद कर दी है। २४ अकबर रोड पर अवरोधक लगाया गया था। ईडी द्वारा पहले सोनिया गांधी (७५) को २३ जून के लिए दूसरा समन जारी किया गया था, लेकिन वह उस तारीख पर पेश नहीं हो सकीं, क्योंकि कोविडघ्ध–१६ और फेफड़ों में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी थी। कांग्रेस अध्यक्ष को पूर्व में ८ जून को पेशी के लिए नोटिस जारी किया गया था, लेकिन कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद उन्हें २३ जून के लिए समन जारी किया गया था। ईडी ने सोनिया गांधी के पुत्र और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से इस मामले में पांच दिनों तक कई सत्र में ५० घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। यह जांच कांग्रेस द्वारा प्रवर्तित यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधि ात है, जो नेशनल हेराल्ड अखबार का मालिक है। सोनिया, राहुल से पूछताछ की कार्रवाई पिछले साल के अंत में ईडी द्वारा धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत एक नया मामला दर्ज करने के बाद शुरू की गई। इससे पहले, एक निचली अदालत ने २०१३ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी द्वारा दायर एक निजी आपराधिक शिकायत के आधार पर यंग इंडियन के खिलाफ आयकर विभाग की जांच का संज्ञान लिया था।

राज्यमंत्री दिनेश खटीक के 'लेटर बम' की धमक यूपी की राजनीति में हलचल

लखनऊ। जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक के इस्तीफे की चर्चा ने मंगलवार को सिर्फ सनसनी फैलाई थी, लेकिन बुधवार को इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुई इस्तीफे की प्रति ने विभाग से लेकर शासन तक खलबली मचा दी। राज्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भेजे त्याग–पत्र में अपनी उपेक्षा की सारी पीड़ा उढ़ेल दी है। साथ ही गंभीर आरोप लगाया है कि जलशक्ति विभाग में हुए तबादलों में अवैध वसूली की गई है और नमामि गंगे परियोजना में बहुत भ्रष्टाचार फैला हुआ है। कहा कि चाहें तो इसकी किसी भी एजेंसी से जांच कराई जा सकती है।मेरठ के हस्तिनापुर से दूसरी बार के विधायक और योगी सरकार में जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफे की पेशकश कर दी है। त्याग–पत्र के रूप में उन्होंने श्लेटर बमश फोड़ा है, जिसकी धमक ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ईमानदार और स्वच्छ छवि वाला बताते हुए लिखा है कि जलशक्ति विभाग के अधिकारी राज्यमंत्री को केवल विभाग द्वारा गाड़ी उपलब्ध करा देना ही अधिकार समझते हैं। आरोप लगाया है कि इस विभाग में स्थानांतरण सत्र में बहुत बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है। योगी की जीरो टालरेंस की नीति को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों के स्थानांतरण संबंध ी सूचना ६ जुलाई, २०२२ को पत्र लिखकर मांगी, जो कि अभी तक नहीं दी गई है।कई दिन बाद विभागाध्यक्ष एके सिंह से फोन पर बात करके सूचना देने के लिए कहा, फिर भी अभी तक सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। इस

स्थिति से सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग को अवगत कराना चाहा, लेकिन उन्होंने बात अनुसूनी करते हुए फोन काट दिया, जो कि एक जनप्रतिनिधि का बहुत बड़ा अपमान है। दिनेश खटीक ने आरोप लगाया है कि नमामि गंगे योजना में भी बहुत भ्रष्टाचार फैला हुआ है, जो ग्राउंड पर जाने पर पता चलता है, लेकिन जब किसी अधिकारी की शिकायत की जाती है तो उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती।भाजपा संगठन और सरकार में दलित व पिछड़ों को विशेष तवज्जो का संदेश दिया जाता रहा है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि वाले पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दलित नेता दिनेश खटीक ने इस दावे को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में दलितों एवं पिछड़ों को साथ लेकर चलने के कारण भाजपा की सरकार बनी।दलित समाज से जुड़ा होने के कारण ही उन्हें (दिनेश खटीक) राज्यमंत्री बनाया गया, लेकिन दलित राज्यमंत्री होने के चलते जलशक्ति विभाग में उनके किसी आदेश पर कार्यवाही नहीं होती। बैठक और विभागीय योजनाओं की जानकारी नहीं दी जाती। भेदभाव का आरोप लगाते हुए बताया है कि उन्हें विभाग में अभी तक कोई अधिकार नहीं दिया गया है। राज्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री के आदर्शों के कारण दलित और पिछड़ा समाज पूरी तरह भाजपा के साथ खड़ा है, लेकिन अधिकारी उतना ही दलितों का अपमान कर रहे हैं।दिनेश खटीक ने त्याग–पत्र में लिखा है कि जब विभाग में दलित समाज के राज्यमंत्री का कोई अस्तित्व नहीं है तो फिर ऐसी स्थिति में राज्यमंत्री के रूप में काम करना दलित समाज के लिए बेकार है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि इन्हीं सब बातों से आहत होकर वह अपने पद से त्याग–पत्र दे रहे हैं।

रेल किराए में बुजुर्गो-खिलाड़ियों को फिर से मिलेगी छूट? रेल मंत्री ने लोकसभा में दिया यह जवाब

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ तौर पर कहा है कि रेल किराए में जो रियायत पहले मिल रही थी, उसे फिर से बहाल करने का फिलहाल विचार नहीं है। उन्होंने साफ साफ शब्दों में यह कह दिया है कि बुजुर्गों और खिलाड़ियों को रेल किराए में अब कोई छूट नहीं दी जाएगी। आपको बता दें कि पहले रेल किराए में इन्हें छूट मिलती थी। लेकिन कोरोना महामारी के बाद से इसे बंद कर दिया गया है। रेल मंत्री ने साफ तौर पर कहा है कि भारतीय रेल पहले से ही वरिष्ठ नागरिकों समेत यात्रियों के लिए यात्रा लागत पर ५० प्रतिशत से अधिक का खर्च पहले से वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी का रेलवे की आर्थिक स्थिति पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है और ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों समेत कई श्रेणियों के किराये में छूट का दायरा बढ़ाना वांछनीय नहीं है। हालांकि, रेल मंत्री ने यह भी कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद भारतीय रेल ने दिव्यांगजनों की चार श्रेणियों, रोगियों एवं छात्रों की ११ श्रेणियों में किराये में छूट देना जारी रखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कोविड–१६ के कारण पिछले दो वर्षों की रेलवे की कमाई २०१६–२० की तुलना में कम रही। वैष्णव ने कहा कि इसी कारण वरिष्ठ नागरिकों समेत कई श्रेणियों के किराये में छूट का दायरा बढ़ाना वांछनीय नहीं है। सदन को रेल मंत्री ने यह भी बताया है कि बुजुर्गों को मिलने वाली रियायत से वर्ष २०१६ से २० में १६६७ करोड़ रुपए का खर्च रेलवे को उठाना पड़ा। वहीं दो २०१८–१६ में १६३६ करोड़ रुपए का खर्च उठाना पड़ा था। अग्निपथ योजना के खिलाफ रेलवे के परिसरों में प्रदर्शनों के मामलों में २,६४२ लोगों को गिरफ्तार किया गया और इन प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो गयी तथा ३५ घायल हो गए। रेल मंत्री ने बुधवार को लोकसभा को यह जानकारी दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि अनेक आंदोलनों की वजह से सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने के कारण रेल सेवाओं के अवरुद्ध होने के बाद यात्रियों को की गयी शुल्क वापसी के संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखे जाते। हालांकि उन्होंने कहा कि १४ जून से २२ जून तक ट्रेनें निरस्त होने की वजह से कुल १०२.६६ करोड़ रुपये किराये की वापसी की गयी। इसी अवधि में अग्निपथ योजना के खिलाफ जगह–जगह प्रदर्शन हुए थे।

दहेज हत्या के आरोपी पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

लखनऊ। नगराम क्षेत्र के आदमपुर जनूबी गांव में बीते सोमवार को एक युवती का संदिग्ध परिस्थितियों में शव लटका पाया गया था मायके पक्ष वालों ने दहेज हत्या में मामला दर्ज कराया था पुलिस ने दहेज हत्या के आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया बीती १८ जुलाई को मृतक के पिता ओम हरि निवासी शेखपुर करीमाबाद थाना सतरिख जनपद बाराबंकी ने नगराम थाना में तहरीर देकर बताया कि ६ माह पूर्व उसने अपनी बेटी अनीता (२१) का विवाह आदमपुर जनूबी निवासी सत्रोहन के बेटे लवकुश के साथ किया था दहेज को लेकर लगातार प्रताड़ित कर रहे थे बीते सोमवार को पति लव कुश जेठ श्रवण कुमार सहित जेठानी पूनम समेत तीनों लोगों के विरुद्ध दहेज हत्या का आरोप लगाया था तहरीर मिलने पर पुलिस ने तीनों के विरुद्ध दहेज हत्या की धाराओं में मामला दर्ज किया था मामला दर्ज होने के बाद से सभी फरार चल रहे थे जिसमें से आरोपी पति को बुधवार को हरदोइया पुल से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया नगराम थाना प्रभारी शमीम खान ने बताया कि मामले में आरोपित पति को गिरफ्तार किया गया है अन्य की तलाश की जा रही

सरकार ने पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन पर अप्रत्याशित लाभ करों में कटौती की

नयी दिल्ली। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में कमी आने पर पेट्रोल, डीजल, जेट ईंधन और कच्चे तेल पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ करों में बुधवार को कटौती की। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर छह रुपये प्रति लीटर कर में कमी की गई, वहीं जेट ईंधन (एटीएफ) को भी छह रुपये प्रति लीटर से घटा कर चार रुपये प्रति लीटर किया गया है। डीजल पर कर को १३ रुपये प्रति लीटर से घटाकर ११ रुपये लीटर किया गया है। घरेलू

कच्चे तेल उत्पाद पर २३,२५० रुपये प्रति टन अतिरिक्त कर को घटा कर १७,००० रुपये प्रति टन किया गया है।

माता–पिता में बसते हैं समस्त तीर्थ

डॉ. सौरभ मालवीय

आज के युग में उन्नति का अर्थ केवल धनोपार्जन से लिया जा रहा है अर्थात जो व्यक्ति जितना अधिक धन अर्जित कर रहा है, वह उतना ही सफल माना जा रहा है। मनुष्य की उन्नति की इस परिभाषा ने पारिवारिक संबंधों से मान–सम्मान ही समाप्त कर दिया है। माता–पिता बड़े लाड़–प्यार से अपने बच्चों का लालन–पालन करते हैं। उन्हें उच्च शिक्षा दिलाने के लिए यथासंभव प्रयास करते हैं। बच्चे बड़े एवं शिक्षित होकर माता–पिता को छोड़कर दूर महानगरों अथवा विदेशों में जाकर रहने लगते हैं। ऐसी स्थिति में असहाय वृद्ध माता–पिता अकेले रह जाते हैं। ऐसे लोग भी बहुत हैं, जो एकल परिवार चाहते हैं। वे अपने वृद्ध माता–पिता को वृद्धाश्रम में डाल देते हैं। ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते रहते हैं कि वृद्धों को उनके ही बच्चों द्वारा मारा पीटा जा रहा है। उन्हें भरपेट भोजन नहीं दिया जाता तथा अस्वस्थ होने पर उनका उपचार नहीं भी करवाया जाता। ऐसे में उनका जीवन नारकीय बन जाता है। देश में वृद्ध लोगों की संख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्ध जनसंख्या वर्ष २०५० तक वर्तमान में लगभग २० प्रतिशत होने का अनुमान है। वर्तमान में यह दर ८ प्रतिशत है। वर्ष २०५० तक वृद्धों की संख्या में ३२६ प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि इनमें ८० वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या में ७०० प्रतिशत होने का अनुमान है। गैर सरकारी संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार लॉक डाउन की समयावधि में ७३ प्रतिशत वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, जबकि ३५ वृद्धों को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा अर्थात उनके साथ उनके ही परिवार के सदस्यों ने मारपीट की। चिंता का विषय यह है कि जिस प्रकार वृद्धों की यह संख्या निरंतर बढ़ रही है तथा परिवारजनों द्वारा वृद्धों की अवहेलना की जा रही है, ऐसी स्थिति में उनका जीवन स्तर क्या होगा? ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते रहते हैं कि अमुक व्यक्ति विदेश में रहता है तथा उसके अकेले रह रहे वृद्ध पिता या माता की मृत्यु हो गई। शव की दुर्गंध

आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। ये मामले बहुत ही अमानवीय हैं। माता–पिता अपने कई बच्चों को अकेले पाल लेते हैं, परंतु कई बच्चे मिलकर भी अपने वृद्ध माता–पिता की देखभाल नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति क्यों है? उत्तर यही है कि उनके मन में माता–पिता के लिए मान–सम्मान एवं प्रेम नहीं है। इसका स्थान स्वार्थ ने ले लिया है। हमारी गौरवशाली प्राचीन भारतीय संस्कृति में परिवारजनों विशेषकर वृद्धजनों को बहुत मान–सम्मान दिया गया है। रामायण का उदाहरण देखें– भगवान राम ने अपने पिता के वचन को पूर्ण करने के लिए राजपाट त्याग कर चौदह वर्षों का वनवास सहर्ष स्वीकार कर लिया। सीताजी राजभवन का सुख त्याग कर अपने पति के साथ वनवास साथ गईं। लक्ष्मणजी ने भी अपने भाई की सेवा के लिए वनवास का चयन किया। भरत ने भी राजपाट का चयन न करके वनवासी जैसा जीवन व्यतीत किया। रामायण में कहा गया है– यतः मूलम् नरः पश्येत् प्रादुर्भावम् इह आत्मनः।

कथम् तस्मिन् न वर्तेत प्रत्यक्षे सति दैवतें।।

अर्थात जब मनुष्य की स्वयं की उत्पत्ति के मूल में पिता हैं, तो वह पिता के रूप में विद्यमान साक्षात देवता को क्यों नहीं पूजता? रामायण में यह भी कहा गया है– सत्यं माता पिता ज्ञानं धर्मो भ्राता दया सखा।

शान्तिः पत्नी क्षमा पुत्रः षडेते मम बान्धवाः।।.

अर्थात सत्य मेरी माता के समान है, ज्ञान मेरे पिता के समान है, धर्म मेरे भ्राता के समान है, दया मेरे मित्र के समान है तथा शांति मेरी पत्नी के समान है, क्षमाशीलता मेरे पुत्र के समान है। इस प्रकार ये छह गुण ही मेरे निकट संबंधी हैं। माता–पिता अनेक दुख एवं कष्ट सहकर अपने बच्चों का पालन–पोषण करते हैं। बच्चे बड़े होकर सोचते हैं कि उन्होंने उनके लिए क्या ही किया है अथवा यदि कुछ किया है, तो यह उनका कर्तव्य था। कुछ लोग अपने माता–पिता को जीविकोपर्जन के लिए कुछ धन देकर सोचते हैं कि उन्होंने अपना ऋण उतार दिया, जबकि ऐसा नहीं होता। वे अपने माता–पिता का ऋण कभी नहीं चुका सकते। इस विषय में रामायण में कहा गया है– यन्मातापितरौ वृत्तं तनये कुरुतः सदा

न सुप्रतिकारं तत्तु मात्रा पित्रा च यत्कृतम्

अर्थात माता–पिता अपने बच्चों के लिए जो कुछ करते हैं, उसका ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता। माता–पिता बच्चों के लिए उनका समस्त संसार होते हैं। इस संदर्भ में महाभारत में कहा गया है–'माता गुरुतरा भूमेः पिता चोच्चतरं च खात्।...अर्थात् माता भूमि से भारी है तथा पिता आकाश से भी ऊंचा है।

जो लोग अपने माता–पिता की सेवा करते हैं, वे जीवन में सबकुछ प्राप्त कर लेते हैं। पद्मपुराण में कहा गया है–

पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता हि परमं तपः।

पितरि प्रीतिमापन्ने प्रीयन्ते सर्वदेवताः।।

अर्थात पिता ही धर्म है, पिता ही स्वर्ग है तथा पिता ही सर्वश्रेष्ठ तपस्या है। पिता के प्रसन्न होने पर समस्त देवता प्रसन्न होते हैं। निःसंदेह पिता ही बच्चों को वह सब प्रदान करता है, जिसकी उन्हें आवश्यकता होती है। चाणक्य नीति में कहा गया है–

जनिता चोपनेता च यस्तु विद्यां प्रयच्छति

अन्नदाता भयत्राता पंचौते पितरः स्मृताः

अर्थात जो हमें जन्म देते हैं, जो हमें ज्ञान का मार्ग दिखाते हैं, हमें विद्या प्रदान करते हैं, जो हमारे अन्नदाता हैं तथा हमारी भय से रक्षा करते हैं, वे पांचों गुण पिता के हैं।

मनुष्य पुण्य की प्राप्ति के लिए तीर्थ स्थानों की यात्रा करता है तथा देवी–देवताओं को प्रसन्न करने का यथासंभव प्रयास करता है, जबकि उसके समस्त तीर्थ उसके निकट ही होते हैं। उस पर उसका तनिक भी ध्यान नहीं जाता। इस विषय में पद्मपुराण में कहा गया है–

सर्वतीर्थमयी माता सर्वदेवमयः पिता मातरं पितरं तस्मात् सर्वयत्नेन पूजयेत्

अर्थात मनुष्य के लिए उसकी माता सभी तीर्थों के समान है तथा पिता सभी देवताओं के समान है। अतः उसे अपने माता–पिता की पूजा करनी चाहिए अर्थात उनका मान–सम्मान करना चाहिए। मनुष्य को तीर्थों में देवताओं को खोजने के स्थान पर अपने पिता में उन्हें खोजना चाहिए। इस संदर्भ में गरुड़पुराण में कहा गया है–

पितृन्नमस्ये निवसन्ति साक्षाद्ये देवलोकेऽथ महीतलेवा।।

तथान्तरिक्षे च सुरारिपूज्यास्ते वै प्रतीच्छन्तु मयोपनीतम् ।।

अर्थात मैं अपने पिता के समक्ष झुकता हूं, जिसमें समस्त लोकों के समस्त देवता निवास करते हैं। वास्तव में मेरे पिता ही मेरे देवता हैं।

गरुड़पुराण में यह भी कहा गया है–

पितृन्नमस्येदिवि ये च मूर्ताः स्वधाभुजः काम्यफलाभिसन्धौ।।

प्रदानशक्ताः सकलेप्सितानां विमुक्तिदा येऽनभिसंहितेषु।। अर्थात मैं अपने पिता को नमन करता हूं, जो सभी देवताओं का प्रत्यक्ष रूप हैं, जो मेरी सभी आकांक्षाओं को पूर्ण करते हैं। मेरे पिता मेरे हर संकल्प को सिद्ध करने में मेरे आदर्श हैं, जो मेरी कठिनाइयों एवं चिंताओं से मुझे मुक्त करते हैं। ऐसे प्रभु के रूप में मैं अपने विघ्नहर्ता पिता को प्रणाम करता हूं।

वास्तव में पिता ही बच्चों के लिए राजा का प्रतिरूप है। मनुस्मृति में कहा गया है– पिता मूर्तिः प्रजापतअर्थात पिता प्रजापति अर्थात राजा अर्थात ईश्वर का ही मूर्तिरूप है, क्यों वह उसका पालन–पोषण करता है। आज इसी ईश्वर रूपी माता–पिता के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। वास्तव में मनुष्य भूल जाता है कि उसे भी वृद्ध होना है। आज जो व्यवहार वे अपने माता–पिता के साथ कर रहा है, कल वही व्यवहार उसके बच्चे उसके साथ भी कर सकते हैं। वैसे बच्चे जैसा देखते हैं, वैसा ही व्यवहार करते हैं। देश में बहुत से वृद्धाश्रम हैं, परंतु उनकी संख्या बहुत ही कम है। उनमें सुविधाओं का भी अभाव है। वृद्धाश्रम उनके लिए तो उचित हैं, जिनका अपना कोई नहीं है। किन्तु जिनके बच्चे हैं, उनके लिए वृद्धाश्रम में रहना स्वयं में कष्टदायी है। वृद्धों की इस समस्या से निपटने के लिए नैतिक शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। लोगों को चाहिए कि वे अपने माता–पिता का मान–सम्मान करें तथा अपने बच्चों को भी इसकी शिक्षा दें। (लेखक– मीडिया शिक्षक एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

बीबीडी थाने का सिपाही रिश्वत लेते गिरफ्तार

लखनऊ। एंटी करप्शन टीम ने मंगलवार को रिश्वत ले रहे बीबीडी थाने के कारखास सिपाही को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित एफआइआर से नाम निकालने के नाम पर पांच हजार रुपये घूस ले रहा था। इसी दौरान उसे दबोच लिया गया। डीआइजी एंटी करप्शन राजीव मल्होत्रा ने बताया कि सुलतानपुर के गोसाईगंज निवासी राकेश कुमार पांडेय ने उनसे शिकायत की थी। मामले की गंभीरता को देखकर निरीक्षक प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में टीम गठित की गई।डीआइजी के मुताबिक राकेश और उनकी भाभी के खिलाफ बीबीडी थाने में एनसीआर दर्ज थी। सिपाही राहुल दोनों से नाम निकालने के नाम पर पहले ही १० हजार रुपये वसूल चुका था और अतिरिक्त रकम की मांग कर रहा था। मंगलवार को आरोपित सिपाही प्रतापगढ़ के साहबपुर कुंडा निवासी

राहुल शुक्ला ने राकेश को बुलाया था। राकेश पांच हजार रुपये लेकर राहुल के पास पहुंचे। जैसे ही आरोपित ने रिश्वत लिया, वहां वेश बदलकर पहले से मौजूद एंटी करप्शन की टीम ने राहुल को दबोच लिया। डीआइजी का कहना है कि इस मामले में बीबीडी थाने की महिला दारोगा अंजली दुबे की भूमिका संदेह के घेरे में है।महिला दारोगा के खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही थाने के इंस्पेक्टर की भी संलिप्तता की जांच होगी। रिश्वत लेने के पीछे किन किन लोगों की भूमिका है, इसकी पड़ताल कर सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछले एक माह में लखनऊ कमिश्नरेट के तीन पुलिसकर्मी रिश्वत लेते गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इससे पहले सैरपुर थाने के दारोगा और चिनहट कोतवाली का पुलिसकर्मी घूस लेते पकड़ा गया था। एंटी करप्शन टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में एफआइआर दर्ज कराई है।

डाला पलटने से मचा हड़कंप, चालक समेत तीन चोटिल

लखनऊ। मानक नगर थाना क्षेत्र स्थित कनौसी ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार कार विपरीत दिशा से ओवरटेक होने से अनियंत्रित हो डाला पलट गया। डाला पलटने से हड़कंप मच गया। वहीं डाला पर सवार चालक समेत तीन अन्य गंभीर रूप से चोटिल हो गए। मौके से कार चालक फरार हो गया। राहगीरों ने पुलिस को कन्ट्रोल रूम पर सूचना देने के साथ घायलों को इलाज के लिए नजदीकी लोकबंधु अस्पताल, भेजवाया दिया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को उनके घर भेज दिया गया है। मूल रूप से ग्राम गोपाल खेडा थाना औरास जनपद उन्नाव के रहने वाले डाला चालक जीतू पुत्र राम संजीवन ने बताया कि वह डाला नम्बर यूपी ३२ एल एन ६८०१ से आम व्यवसाई दिनेश पुत्र भगवती प्रसाद निवासी गोसाईगंज व दीपू नमाक एक व्यक्ति को डाले में बैठाकर दुबग्गा मण्डी जा रहे थे। उस दौरान कनौसी ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार कार विपरीत दिशा से ओवरटेक होने से अनियंत्रित हो डाला पलट गया। वहीं कार चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने पुलिस को कन्ट्रोल रूम पर सूचना देने के साथ सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी लोकबंधु अस्पताल, भेजवाया था। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को उनके घर भेज दिया गया है।

गांधारी के बहाने नारी अस्मिता से जुड़े माकूल जवाब

पहले दिन दर्पण रंगसंस्था द्वारा शंकर शेष के नाटक 'कोमल गांधार' का मंचन

लखनऊ। रंगनिर्देशक व्यंग्यकार डा. उर्मिल कुमार थपलियाल के ८०वें जन्मदिन पर इनके कृतित्व को व्याख्यायित करता पांच दिवसीय उर्मिल रंग उत्सव आज से संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह गोमतीनगर में आज से प्रारंभ हो गया। उत्सव का शुभारंभ वरिष्ठ

रंगनिर्देशक सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ ने किया। पहली शाम यहां शंकर शेष के लिखे व डा.थपलियाल द्वारा परिमार्जित आलेख 'कोमल गांधार' का मंचन रंगसंस्था दर्पण के कलाकारों ने पीयूष पांडे के निर्देशन में मंच पर उतारा। उत्सव २० जुलाई को डा.उर्मिल की प्रथम पुण्य तिथि पर दर्शनीय प्रस्तुतियों के साथ समाप्त होगा।डा. उर्मिलकुमार थपलियाल फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस समारोह के दूसरे दिन १७ जुलाई को 'हे ब्रेख्त' नाटक का मंचन होगा। कोमल गांधार की के मूल में गांधारी है जहां डा.थपलियाल ने 'कोमल गांधार का पुनर्पाठ करते समय नाटक के केन्द्रीय पात्र गांधारी के चरित्र की कुछ भिन्न व्याख्या प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया और नारी अस्मिता व आधुनिक स्त्री विमर्श के संदर्भ में गांधारी द्वारा अपनी आँखों में पट्टी बाँधने का संकल्प क्या केवल अपने प्रति हुए छल कपट के विरोध में था? क्या यह विरोध खुली आँखों से नहीं हो सकता था? पट्टी बाँधकर क्या गांधारी अपनी ममता दे पाई, अपने पुत्रों को ? खुली आँखों के सामने क्या गांधारी द्रोपदी का चीर हरण चुपचाप देख सकती थीं? क्या अपने प्रति किये गए कौरवी छल के प्रतिरोध ने उसे जड़ और नारी सुलभ ममता से हीन नहीं कर दिया था? जैसे ऐसे कई सवाल हैं, जो हमारे मन मस्तिष्क में उठते हैं। आज दर्शकों को मंचन से इन सवालों के जवाब का एक नया दृष्टिकोण मिला कि गांधारी खुली आँखों से अपने प्रति हुए अन्याय का विरोध करती तो शायद महाभारत न होता, इतिहास में अनर्थ न होता। दुर्योधन और गांधारी के दूसरे पुत्रों को यदि माँ की ममता मिलती तो वे अन्यायी, अहंकारी और निर्मम न होते। उसके सामने कुन्ती स्वयं उदाहरण थी जिसके प्रति भी वही छल हुआ जो गांधारी के साथ हुआ था, किन्तु उसने अपने बच्चों को ममता दी, संस्कार दिये, तभी तो कृष्ण उनके पक्ष में हुए. इतिहास उसके पक्ष में हुआ, अपनी मुक्ति और स्वतंत्रता के लिये स्त्री को खुली आँखों से सतत् संघर्ष करना चाहिये। प्रस्तुति में मुख्य भूमिकाओं में संजय को सत्येन्द्र कुमार मिश्रा, आत्मा को नसरीन फारुकी, गांधारी को शालिनी विजय, शकुनि को सागर सिंह, धृतराष्ट्र को दीपक दयाल, दुर्योधन को सुमित श्रीवास्तव के साथ अन्य भूमिकाओं को प्रत्यांशी जायसवाल, मुकेश पाण्डेय, प्रखर पाण्डेय, रंजीत सिंह, ओमकार, सुशील व आयुष ने चरित्रानुसार निभाया। मंच के पीछे सेट बनाने का काम मधुसूदन, प्रकाश परिकल्पना व संचालन का काम गोपाल सिन्हा, ध्वनि संचालन विवेक श्रीवास्तव, वेशभूषा परिकल्पना रोजी दुबे, मुखसज्जा मनोज वर्मा व मंच सामग्री सैयद लारेब के हवाले रही। पार्श्वगायन में मुख्य स्वर मीता पंत, अमित दीक्षित, पीयूष पाण्डे, पुष्पेन्द्र सक्सेना व जीएस रावत के रहे। अन्य पक्षों में वीरेन्द्र रस्तोगी, अलका विवेक, करुणा सागर, अनिल मेहरोत्रा, सत्येन्द्र मिश्र व आरएस सोनी आदि का सहयोग रहा। पुर्नपाठ, गीत व संगीत डा. उर्मिलकुमार थपलियाल का था।

संत गाडगे प्रेक्षागृह में पांच दिवसीय उर्मिल रंग उत्सव की दूसरी शाम

नये रंग में उतरी थपलियाल फाउण्डेशन की प्रस्तुति 'हे ब्रेख्त'

लखनऊ। किसी महान व्यक्तित्व को साक्षात देखना एक अलग अनुभव है। ऐसे ही एक व्यक्तित्व जर्मन नाटककार बर्तोल्त ब्रेख्त की जिंदगी और उनके रचना पक्ष से प्रेक्षक यहां संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह गोमतीनगर में जुड़े। रंगनिर्देशक व्यंग्यकार डा. उर्मिल कुमार थपलियाल की स्मृति में डा.उर्मिल कुमार थपलियाल फाउण्डेशन के तत्वावधान में कल से शुरू हुए उर्मिल रंग उत्सव के दूसरे दिन आयोजक फाउण्डेशन की ओर से डा.थपलियाल के लिखे, संगीतबद्ध किये और पूर्व में निर्देशित कर प्रस्तुत किये जा चुके 'हे ब्रेख्त' नाटक का पुनर्मंचन रितुन थपलियाल और नितीश भारद्वाज के संयुक्त निर्देशन में प्रस्तुत किया गया। ब्रेख्त का सारा रचनाकर्म उनके समय के वैश्विक युद्ध और सामाजिक परिस्थितियों पर जागरूकता पैदा करने वाला है। इसी नाते प्रासंगिक भी बना हुआ है। रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच आज भी सम्पूर्ण विश्व फंसा प्रभावित हो रहा है। बर्ताल्त ब्रेख्त ऐसे जर्मन कवि, उपन्यासकार, नाटककार और रंगकर्मी थे, जिनकी रचनाओं का पूरी दुनिया में असर आज भी दिख्ता है। 'खराब रोटी और खराब इंसाफ, दोनों को फेंक डाला, देर से मिली रोटी और देर से मिला इंसाफ दोनों बासी होते हैं, नाकाफी और बेस्वाद' जैसी कविताएं रचने वाले ब्रेख्त में सही अर्थों में क्रांति के स्वर थे। उनके 'अलगाववादी रंग सिद्धांत' भी महत्वपूर्ण है, 'हे ब्रेख्त' का आधार ब्रेख्त की कुछ कविताएँ. कुछ छोटी कहानियाँ और छोटे नाटक हैं इनमें युद्ध के समय की त्रासदियों तो हैं ही, मानवीय संघर्ष और यातना के प्रसंग भी हैं। ये रचनाएँ समय और समाज की चुनौतियों से मुठभेड करती हैं, ब्रेख्त साहित्य, संगीत, कला और रंगमंच को परिवर्तन का माध्यम मानते थे। नाटक ब्रेख्त के कृतित्व के निचोड़ को घने किन्तु रोचक रूप में मंच पर रखते हुए बताता है कि जब तक दुनिया में त्रासदी है, संकट है, बारूद के ढेर हैं, मनुष्य के अस्तित्व को खतरा है। ऐसे में सामजिक क्रांति के ऐसे दमदार स्वर ही मनुष्यता को हर युग में सार्थक कर सकते हैं। मनोशारीरिक रंगकर्म, गीत संगीत, कोरस और क्रिया के विरुद्ध

प्रतिक्रियाओं के एक कोलाज के रूप में मंच पर उतरते हुए, हमें सामयिक संदर्भों के बारे में सोचने को विवश करता है। नाटक यह कहना चाहता है कि असहमति में विरोध और सहमति में विवेक का इस्तेमाल करना जरूरी है। आज भी समय में ब्रेख्त की उपस्थिति अनिवार्य लगती है। नाटक में फ्राउडीज हरफैन व जनरल, व मार्था की प्रमुख भूमिकाएं क्रमशः रोजी दूबे, नितीश भारद्वाज और रितुन थपलियाल ने कुशलता से निभायीं। इनके साथ विदूषक व कोडे वाला, उद्घोषक, अभिनेत्री आदि अन्य कई चरित्रों में पंकज सत्यार्थी, अभ्युदय तिवारी, एकता सिंह, उत्कर्ष त्रिवेदी, अक्षयदीप गौड़, अक्षांश मिश्रा, मंजूश्री बनर्जी, तान्या तिवारी, प्रखर द्विवेदी, सुंदरम मिश्रा, सुंदर मिश्रा, सोहेल शेख, वंश श्रीवास्तव, आयुष श्रीवास्तव, ओमकार, पुष्कर, कोमल प्रजापति, एकता सिंह, अनीता सिंह, तान्या तिवारी, रंजीत सिंह, रश्मि श्रीवास्तव, ऋषभ पाण्डेय इत्यादि मंच पर उतरे। कोरस में व हर्षिता आर्या, अक्षांश मिश्रा व पंकज सत्यार्थी शामिल थे। नेपथ्य के कार्यों में मंच सामग्री में अभ्युदय, रंग प्रबंधन व कोरियोग्राफी में रितुन और अन्य पक्षों में वंश श्रीवास्तव, रोजी दूबे, देवाशीष मिश्र, पीयूष पाण्डेय, रितेश के साथ कलाकारों का सहयोग रहा। मुख्य अतिथि के तौर पर और विशिष्ट अतिथि के तौर पर गौ उत्पादक संघ के समन्वयक राधेश्याम दीक्षित आमंत्रित थे।

अद्भुत ट्रेनः दुनिया की सबसे लम्बी ट्रेन

अमरेन्द्र सहाय अमर

भारतीय रेलवे ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है. भारतीय रेलवे ने शेषनाग नाम से एक लम्बी ट्रेन चलाई जो चार ट्रेनों को जोड़कर चलाई गयी थी .इससे पहले भारतीय रेलवे ने

एनाकोंडा नाम से एक ट्रेन चलाई थी जो तीन ट्रेनों को जोड़ कर बनाई गयी थी परन्तु इस ट्रेनों को पीछे करते हुए अब एक नई ट्रेन से नया कीरिमान स्थापित किया है. यह ट्रेन है वासुकी हमे भारतीय रैलवे पर गर्व हैं. सरकार की ओर से फेसबुक पेजरेलवे की ओर से बताया गया कि इस ट्रेन के सुगम परिचालन के लिए रेलवे ने पांच इंजन को इलेक्ट्र निक सिग्नल से जोड़ा गया था, ताकि उनमें सामंजस्य बना रहे और उनके साथ २६५ डिब्बों को जोड़करदौड़ायाजा सके .मीडिया रिपोर्ट्स में वासुकी को दुनियाकी सबसे लाबी ट्रेन होने का दावा किया गया है.पांचो इंजन को ई सिग्नल से इस तरह जोड़ा गया जिस तरह माल गाडी केपरिचालन समय को कम करने के लिए स्टाफ की बचत और ग्राहकों को तत्काल डिलेवरी देने के लिए बड़ी बड़ी मालगाड़ियाँ चलाई जाती है। वाकई कुछ लोग स्टेशन पर खड़े हों और यह ट्रेन वही से गुजरे तो लोग आश्चर्य चकित होकर इए ट्रेन को हका बका होकर देखेंगे . वासुकी ट्रेन के बारे में बताया गया है कि खाली मालगाड़ी के डिब्बे को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पंहुचने के लिए इस तरह की ट्रेन पहली बार चलाई गयी है, जो अपने आप में एक कीरिमान है. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस ट्रेन के बारे में ट्वीट भी किया है. मंत्री जी ने अपने ट्वीटमें लिखा है कि २६५ वैगन वाली ३.५ किलोमीटर लम्बी वासुकी ट्रेन का संचालन करके भारतीय रेलवे ने एक कीर्तिमान स्तःपित किया है. कम लागत और अधिक सुविधाएँ और बेहतर सुरक्षा के कारणरेलवे माल धुलाई में पसंदीदासाधन बनती जा रही है।

हंस-हंस कर जाना गृहस्थ की मुक्ति दायित्वों से होगी टैगोर की कहानी को लेकर रंग कलाकारों ने बताया 'मुक्ति का उपाय'

लखनऊ। रवीन्द्रनाथ टैगोर की बहुत ही दिलचस्प और सामाजिक संदेश देने वाली कहानी 'मुक्ति का उपाय' का डा.उर्मिल कुमार थपलियाल द्वारा किया नाट्य रूपांतर का इसी शीर्षक से पुनर्मंचन आज यहां संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह में उर्मिल रंग उत्सव की तीसरी शाम रंगयात्रा के कलाकारों ने किया और रंगप्रेमियों को हंसाया भी। चौथी शाम उत्सव के तहत मंचकृति

की एक और गुदगुदाती प्रस्तुति 'साहब–मेमसाहब' मंच पर होगी। डा.उर्मिल कुमार थपलियाल फाउण्डेशन के इस उत्सव में आज की प्रस्तुति संदेश देती है कि आम गृहस्थ के लिए मुक्ति का उपाय अपने पारिवारिक और सामाजिक जीवन में दायित्वों का भली प्रकार निर्वाह करने मात्र से ही है, कर्तव्यों से भागकर संन्यासी बनने से नहीं। साथ ही यह पुत्र–पुत्री एक समान हैं, यह पैगाम भी पहुंचाता है। गुरुवर की रोचक कथा में हूबहू हुलिए और शक्ल वाले दो हमउम्र किरदार माखनलाल और फकीरचंद हैं। धर्मिक प्रवत्ति के फकीरचंद की अपेक्षोंत काफी कमउम्र पत्नी अपनी उम्र के अनुसार जीवन का आनंद चाहती है। उनमें रोज तकरार होती है। तंग फकीरचंद मुक्ति का उपाय खोजने के लिए घर छोड़कर प्रवाचक बन जाता है। दूसरा माखनलाल के पहली पत्नी से तीन पुत्रियां होने से परिवार के दबाव में दूसरी शादी कर चार और लड़कियों का बाप बन जाता है। मजे की बात है कि उसे पुत्र प्राप्ति पहली पत्नी से ही होती है। इसपर भी माखनलाल भी अपने पारिवारिक जीवन से परेशान होकर घर छोड़ देता है। इस दौरान यायावर फकीरचंद माखनलाल के गांव में आकर प्रवचन देने आता है तो गांव वाले उसे माखनलाल समझकर जबरन उसके घर पहुंच देते हैं। परिवार भी उसे माखन मान लेता है पर फकीरचंद कहता है– ये मेरी पत्नियां नहीं मेरी माता हैं, की वो संन्यासी है। इसपर मचे हंगामें के पत्नियां के अपने भाई–बहन बुलाकर समझाने और मुहल्ले वालों की मार खाने पर भी फकीरचंद अपने आप को माखनलाल होना कुबूल नहीं करता। तब बुलाया वकील मश्विरा देता है कि अगर कोई बहरी व्यक्ति इसे साबित कर दे कि ये माखनलाल है तो बात बन जायेगी। अब माखनलाल को पैदा करवाने वाली दाई बुआ आती हैं। पैसो के लालच में दाई बुआ फकीरचंद को माखनलाल घोषित कर देती हैं। आखिर हैरान फकीरचंद फोन करके अपने असली पिता और पत्नी को बुलाता है और वे उसके फकीरचंद होने की तस्दीक करते हैं। इसी बीच माखनलाल घर लौटता है। सब जानकर अपनी पत्नियां को लानत भेजता है कि वे पति को भी नहीं पहचान सकीं। अंत में माखन और फकीरचंद सबके सामने मानते हैं कि मुक्ति का उपाय बाहर या जंगल में ढूढ़ने से नहीं, उन जैसों को तो हंसी–खुशी आपने परिवार में ही मिलेगा। १२५वीं टैगोर जयंती के अवसर पर तैयार इस नाट्य रूपांतरण को प्रस्तुति के निर्देशक ज्ञानेश्वर मिश्र ज्ञानी के निर्देशन में तैयार कराने में भी डा.थपलियाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मंच पर फकीरचंद की भूमिका में निर्देशक ज्ञानेश्वर के संग माखनलाल– मधु प्रकाश श्रीवास्तव, हेमवती– अंशिका सक्सेना, भाई–मनीष पाल, बहन–सोनल, वकील–आशीष सिंह राजपूत, दाई बुआ–अमिय रानी सिंह, पिता–निखिल सिंह, छठीलाल–सूरज गौतम, पहली पत्नी–रंजीता सिंह, दूसरी पत्नी–अन्तरा गुप्ता और ग्रामीणों के रूप में अरुणेश मिश्रा, पवन कुमार, दिनेश सिंह, निस्वार्थ जायसवाल व सुमित इत्यादि उतरे। नेपथ्य में प्रकाश–तमाल बोस, मुखसज्जा–राजकिशोर गुप्ता पप्पू, संगीत संयोजन–राहुल शर्मा, वेशभूषा–संहिता मिश्रा, प्रियंका भारती, मंच निर्माण–शिव रतन व प्रस्तुति सहयोग–आरती निगम व अनामिका तिवारी के हाथ रहा।

एक झूठ से जुड़ते सौ झूठों ने हंसाकर सिखाया सबक

लखनऊ। अपने 'स्टेटस' दिखाने के लिए जी–जान से कोशिश में लगे मध्यवर्गीय समाज की सोच सामने रखने वाली रमेश मेहता की नाट्यें ति 'अंडर सेक्रेट्री' का डा.थपलियाल द्वारा उन्हीं के निर्देशन में तैयार किया मंचालेख 'साहब–मेमसाहब' एक नये कलेवर में संग गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह गोमतीनगर के मंच पर था। डा.उर्मिल कुमार थपलियाल फाउण्डेशन के उर्मिल रंग उत्सव की

चौथी सांझ मंचकृति के कलाकारों ने प्रथमतः २००५ मे तैयार प्रस्तुति को संगम बहुगुणा के निर्देशन में पेशकर हंसा–हंसाकर सीख दी कि एक झूठ के पीछे सौ झूठ तो बोलने ही पडेगे, साथ ही जगहंसाई तो होगी ही और पोल भी खुल ही जाएगी। छह दशक से भी ज्यादा पहले लिखे रमेश मेहता के इस नाटक की कथा में सरकारी मकान में रह रहे एक क्लर्क चांद की पत्नी सरोज अपनी सहेली पुष्पा से रुतबा झाड़ने के लिए पति को अंडर सेक्रेटी बता देती है। सहेली भी कम नहीं, वह भी अपने पति को डायरेक्टर के ओहदे पर बता देती है। पुष्पा जब सरोज के घर आने का प्रोग्राम तय करती है तो सरोज झूठा रुतबा बरकरार रखने के लिए फटाफट सारे घर का फर्नीचर, डेकोरेशन और क्र करी वगैरह बदलवाने लगती है। आफिस से घर पहुंचा चांद सब जानकर हैरान रह जाता है। इसी दौरान चांद का कुंवारा लंगोटिया दोस्त किशोर उसके घर रहने आता है। यहां किशोर की आंखें घर में क्रॅकरी देने आई कांता से लड़ जाती हैं और घर के नौकर को बीमार पिता के पास गांव जाना पड़ता है। सरोज के सामने नौकर की समस्या आती है तो वह पहले किशोर को नौकर बनाना चाहती है पर बाद में स्मार्ट किशोर की जगह अपने सीधे पति चांद को नौकर बना लेती है। यहीं से प्रस्तुति में किरदारों की आदमरफ्त के बीच दर्शकों को भाने वाला जबर्दस्त परिस्थितिजन्य हास्य पैदा होने लगता है। अंततः पोल खुलने पर सारे सच सामने आते हैं। सुखांत नाटक में सब झूठ से तौबा करते हैं। अगले वर्ष फरवरी में अपने निर्देशित किये एक साथ ३० नाटक तैयार करने में उत्साह से जुटे रंगकर्मी संगम की यह कोशिश उत्सव में दर्शकों के लिए मनोरंजक रही तो डा.थपलियाल के लिए एक भाव भरी रंगांजलि भी। प्रस्तुति मे मंच पर सरोज की भूमिका में तान्या सूरी के संग चांद– अमरेश आर्यन, किशोर– निमेष भण्डारी, नौकर–अंकुर सक्सेना, पुष्पा–लकी, कान्ता– आकांक्षा सिंह, पुष्पा का पति–आदर्श तिवारी व सूरज नारायण–हरीश बडोला दिखाई दिए। नेपथ्य में प्रकाश–गोपाल सिन्हा के संग मनीष सैनी, मुखसज्जा–शहीर, संगीत संकलन–आदर्श तिवारी, संगीत संचालन–आशुतोष विश्वकर्मा, वेशभूषा–नीतू सिंह और अन्य पक्ष अजय शर्मा, रविकांत शुक्ला, राजेश मिश्र, ममता प्रवीण व मालविका तिवारी का योगदान रहा।

नारी अस्मिता के सदियों से उठे सवालों का लय भरा जवाब,नृत्यनाटिका 'आज की द्रौपदी' का मंचन

लखनऊ। 'द्रौपदी' अब महाभारत कालीन द्रौपदी नहीं रह गयी है बहुत आगे बढ़ी है और अब एक दलित द्रौपदी' देश के सर्वोच्च पर आरूढ़ होने जा रही है। ऐसे में आज शाम महाभारत कालीन द्रौपदी के बहाने सदियों से उठ रहे सवालों के जवाब नृत्य गतियों में देखना–पाना रंगप्रेमियों के लिए फिर एक सुखद अनुभव रहा। कथक संयोजनों में डा.थपलियाल की लिखी नाटिका का प्रदर्शन संग गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह गोमतीनगर के मंच पर डा.उर्मिल कुमार थपलियाल फाउण्डेशन के उर्मिल रंग उत्सव की अंतिम शाम सुरभि सिंह के निर्देशन में किया गया। द्रौपदी के रूप में मंच पर उतरी सुरभि के संग कल्चरल क्वेस्ट के अन्य कलाकारों ईशा रतन, मीशा रतन, एकता मिश्रा, स्निग्धा सरकार, संगीता कश्यप और अंकिता सिंह द्वारा मंच पर उतरी यह प्रस्तुति समकालीन

स्त्रियों को आत्मविश्वास से लबरेज करती है। महाभारत और द्रौपदी की कथा लगभग सभी जानते हैं। प्रस्तुति कथक की शास्त्रीयता और अभिनय की कमनीयता के साथ मंच पर रखने का रचनात्मक प्रयास है। महाभारत की तत्कालीन द्रौपदी ने जो कुछ सहा अकेले सहा, प्रतिरोध के संस्कार वहां उसमें नहीं थे। आज भी स्थितियों में कुछ ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ, युग परिवेश बदला है पर सामान्य स्त्री की त्रासदी नहीं। आज की नारी कर्तव्यनिष्ठ होते हुए भी अपने समान अधिकारों की मांग कर रही है।आज की द्रौपदी का आलेख करीब पांच साल पहले जब डा.थपलियाल ने रचा था तो उन्होंने नहीं सोचा होगा कि कुछ ही सालों बाद एक द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति का पद सुशोभित कर भारतीय नारियों की नयी पहचान बनने के साथ प्रेरणा भी बनेगी। तब उन्होंने प्रस्तुति को समकालीन स्त्री विमर्श के दायरे में महिला सशक्तीकरण का एक प्रतीक और विषय को पुरुष सत्ता के खिलाफ बगावत न बताते हुए जाहिर किया कि यह एक व्यंग्य है, एक भंगिमा है और पर इस प्रस्तुति की समसामयिक सार्थकता भी है। सामान साझेदारी की मांग करती शालीनता भरी यह प्रस्तुति एक नए तेवर और टिप्पणी के साथ परंपरागत द्रौपदी के चरित्र का गीत संगीत और कथक गतियों में एक नया रूप है। आज की नारी पहले से कहीं ज्यादा जागरूक और चेतना संपन्न है। अकेले द्रोपदी की वेदना को न तब किसी ने समझा था ना अब कोई समझ सकता है इसलिए इस प्रस्तुति का समकालीन शंखनाद यही है कि द्रौपदी अब दुशासन का वध करेगी।बंगलुरु के प्रवीण डी राय के संगीत निर्देशन में तैयार इस प्रस्तुति की रिक डिंग में डा.थपलियाल, सुरभि सिंह, संगम बहुगुणा और तबलानवाज विकास मिश्र के तबले के साथ उनके स्वर भी सुनाई दिए। लाइट डिजाइनिंग प्रणव बर्मन की रही।

विधान सभा के 396 निर्वाचित सदस्यों ने डाले वोट

लखनऊ। राष्ट्रपति पद के लिए सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान भवन के तिलक हाल में विधान सभा के ३९६ निर्वाचित सदस्यों ने वोट डाले। प्रदेश की ४०३ सदस्यीय विधान सभा के पांच विधायकों ने लखनऊ से बाहर मतदान किया जबकि दो सदस्यों ने वोट नहीं दिया। मऊ से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक अब्बास अंसारी वोट देने नहीं आ सके। शामली के कैराना के सपा विधायक नाहिद हसन जेल में बंद होने के कारण मतदान में हिस्सा नहीं ले सके। सोमवार को मतदान के दौरान क्रास वोटिंग की भी चर्चा रही।विधान सभा सदस्यों को वोट डालने के लिए विधान भवन के कक्ष संख्या– ८० से मतदान स्लिप प्राप्त करने की व्यवस्था की गई थी। मतदान स्लिप प्राप्त कर विधायकों को उत्तरी बरामदे से तिलक हाल में बनाये गए मतदान स्थल में प्रवेश करना था। मतदान के लिए तिलक हाल में तीन बूथ बनाये गए थे। यहां पर कड़ी सुरक्षा और भारत निर्वाचन आयोग की निगरानी के बीच मतदान सुबह १० बजे शुरू हुआ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहला वोट और दूसरा उनके साथ आये संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने डाला। वोट देकर निकले सीएम योगी आदित्यनाथ ने अंगुलियों से विक्ट्री (जीत) का निशान बनाया। जेवर के भाजपा विधायक धीरेन्द्र सिंह ने तीसरा वोट डाला। इसके बाद मतदान का क्रम लगातार जारी रहा। मतदान में शुरुआत से ही तेजी रही। विधान भवन से तिलक हाल की ओर जाने वाले ब्रिज पर मतदान के लिए प्रतीक्षारत भाजपा, सपा, अपना दल (एस) के विधायक कतारबद्ध खड़े थे। गठबंधन के साथी समाजवादी पार्टी से मुंह मोड़कर राष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने की घोषणा कर चुके सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर मतदान के लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ जाते दिखे। उधर भाजपा विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह और शशांक त्रिपाठी वोट डालने के लिए मोटरसाइकिल से विधान भवन पहुंचे। अपनी पार्टी और सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल के विधायकों के साथ सपा अध्यक्ष और विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव मतदान के लिए सुबह ११.१० बजे विधान भवन

पहुंचे और वोट डाला। सपा अध्यक्ष को पत्र लिखकर राजग प्रत्याशी को समर्थन देने का सुझाव देने वाले उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव रेंज रोवर पर सवार होकर दोपहर १२.३० बजे विधान भवन पहुंचे और मतदान किया। सिराथू की सपा विधायक पल्लवी पटेल गाड़ी से उतरने के बाद वीलचेयर पर बैठकर प्रथम तल स्थित तिलक हाल तक जाने के लिए लिफ्ट तक पहुंचीं। एक बजे तक विधान सभा के ३८३ सदस्य वोट डाल चुके थे।राष्ट्रपति पद के चुनाव में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रविन्द्र जायसवाल और भाजपा विधायक राम नरेश अग्निहोत्री ने राजग प्रत्याशी के लिए पोल्ङ्क्षलग एजेंट की भूमिका निभायी तो विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के लिए इस दायित्व का निर्वहन कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा श्मोनाश और सपा विधायक अतुल प्रधान ने किया।संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि विधान सभा के चार सदस्यों ने नई दिल्ली में संसद भवन में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान किया जबकि एक ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। संसद भवन में मतदान करने वालों में सहारनपुर की नकुड़ सीट से भाजपा विधायक मुकेश चौधरी, हाथरस की सादाबाद सीट से रालोद विधायक प्रदीप कुमार सिंह, महोबा की चरखारी सीट के भाजपा विधायक ब्रजभूषण राजपूत और मुरादाबाद की कुंदरकी सीट से सपा विधायक जियाउर्रहमान शामिल हैं। इलाज कराने के लिए तिरुवनंतपुरम गए वाराणसी की सेवापुरी सीट से भाजपा विधायक नील रतन सिंह ने वहीं पर वोट डाला।जेल में बंद होने के कारण राष्ट्रपति के चुनाव में वोट डालने से वंचित रहे कैराना विधायक नाहिद हसन की बहन इकरा हसन ने बताया कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में वोट डालने को लेकर प्रक्रिया के बारे में जानकारी कराई थी। पता चला कि जेल में रहते हुए वोट नहीं डाला जा सकता है। इसी कारण अनुमति लेने का प्रयास भी नहीं किया गया। नाहिद जनवरी से जेल में हैं।

कार्तिक आर्यन ने ‘भूल भुलैया २’ की सक्सेस का क्रेडिट टीम वर्क को दिया

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी सुपरहिट फिल्म 'भूल भुलैया २' की सफलता का क्रेडिट टीम वर्क को दिया है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनीं इस फिल्म

में कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा ने मुख्य भूमिका निभायी थी। यह फिल्म २० मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 'भूल भुलैया २' २००७ में प्रदर्शित फिल्म 'भूल भुलैया का सीक्वल है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर २०० करोड़ रूपये से अधिक की कमाई की है। कार्तिक ने फिल्म भूल भुलैया २'की सफलता का क्रेडिट अपनी टीम को दिया है। एक्टर ने कहा, भूल भुलैया २ ने जितना बिजनेस किया है, उतनी किसी को उम्मीद नहीं थी। किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि यह फिल्म इतना अच्छा बिजनेस करेगी। मैं फिल्म की सक्सेस का पूरा क्रेडिट अपनी टीम को दूंगा। किसी ने मुझे एक बात कही थी और मैं इसे एक पॉजिटिव तरीके से बताना चाहता हूं कि यह फिल्म देखने के बाद दो लोगों ने मुझसे कहा था कि उन्होंने पहले पार्ट को बिल्कुल भी मिस नहीं किया। यह दोनों ही फिल्मों के लिए प्राउड फीलिंग थी।

तमन्ना भाटिया की ‘बबली बाउंसर’ का पोस्टर Out, जल्द रिलीज होगी फिल्म

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की फिल्म बबली बाउंसर २३ सितंबर को रिलीज होगी। निर्देशक मधुर भंडारकर की फिल्म 'बबली बाउंसर' में तमन्ना भाटिया ने मुख्य भूमिका निभायी है।फिल्म 'बबली बाउंसर' की रिलीज डेट का एलान हो गया है। यह फिल्म २३ सितंबर २०२२ को डिज्नी प्लस ह टस्टार पर रिलीज होगी। स्टार स्टूडियो और जंगली पिक्चर्स ने इसकी घोषणा की है। यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में रिलीज होगी। मेकर्स ने 'बबली बाउंसर' से तमन्ना भाटिया का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। एक तस्वीर में तमन्ना ब्लैक पैंट और टीशर्ट में हाथ बांधे खड़ी नजर आ रही हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में तमन्ना अपनी ताकत का प्रदर्शन करती हुई नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में वह मुस्कुरा रही हैं। 'बबली बाउंसर' उत्तर भारत के वास्तविक 'बाउंसर टाउन', असोला फतेपुर पर आध

ारित कहानी है। फॉक्स स्टार स्टूडियोज और जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित, 'बबली बाउंसर' का निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं। इसमें सौरभ शुक्ला के साथ अभिषेक बजाज और साहिल वैद भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

निर्देशक नितेश तिवारी रणबीर कपूर और ऋतिक रोशन को लेकर बनाएंगे रामायण

मुंबई। बॉलीवुड के जाने–माने निर्देशक नितेश तिवारी, रणबीर कपूर और ऋतिक रोशन को लेकर रामायण बना सकते हैं। नितेश तिवारी इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। चर्चा है कि निर्देशक की इस फिल्म में रणबीर कपूर और ऋतिक रौशन नजर आ सकते हैं। यह फिल्म २०२३ के मिड मे फ्लोर पर जाएगी। रामायण अब तक की सबसे बड़ी इंडियन फिल्म होगी। कहा जा रहा है कि नितेश तिवारी की इस

पौराणिक फिल्म में जहां रणबीर कपूर राम बनेंगे, वही ऋतिक रौशन फिल्म में 'रावण' के किरदार में नजर आएंगे। फिलहाल सीता के किरदार की कास्टिंग चल रही है।

‘ऊ अंटावा’ गाने पर समांथा ने अक्षय कुमार के साथ किया सिजलिंग डांस, वीडियो वायरल

मुंबई। दक्षिण भारतीय एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु ने अक्षय कुमार के साथ अपने सुपरहिट गाना 'ऊ अंटावा' डांस किया है। फिल्म 'पुष्पा' में सुपरहिट सॉन्ग 'ऊ अंटावा' समांथा पर फिल्माया गया था। इस गाने को बेहद लोकप्रियता हासिल हुई थी। एक्ट्रेस हाल ही में करण जौहर के क फी विद करण सीजन ७ में अक्षय कुमार के साथ पहुंचीं। अक्षय और समांथा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है जिसमें दोनों जमकर डांस कर रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि समांथा रुथ प्रभु, अक्षय कुमार के साथ ऊ अंटावा सॉन्ग के अपने सिग्नेचर स्टेप कर रही हैं। खिलाड़ी कुमार भी उनके साथ इस गाने पर डांस कर रहे हैं। अक्षय और समांथा इस गाने पर डांस को खूब इंजॉय कर रहे हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; cktisbZ
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqjs'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkSjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;wjks phQ
eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक